S-373

Total Pages : 3 Roll No. .....

DMA-104

ग्रहोपचार के विविध आयाम

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. वात, पित्त एवं कफ से समुत्पन्न व्याधियों के योगों पर विस्तृत चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

2. कर्मफल की विवेचना करते हुए कर्मफल के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

3. योगों पर आधारित फलों पर विस्तृत विमर्श कीजिए।

4. मणि (रत्न), मन्त्र एवं औषधि से रोगोपचार विधि पर प्रकाश डालिए।

5. रोगापचार में ग्रहशान्ति प्रयोग के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रहशान्ति प्रविधि का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. त्रिदोषजन्यव्याधियों के योगों पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

2. ज्वरों के प्रभेद स्पष्ट करते हुए ज्वर के ज्योतिषीय योगों की विवेचना कीजिए।

3. कर्मफल के प्रभेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. दशा पर आधारित रोगों के फल पर विचार प्रस्तुत कीजिए।

5. गोचर पर आधारित फलों की विवेचना कीजिए।

6. रत्नविज्ञान से ग्रहचिकित्सा पर प्रकाश डालिए।

7. विशेष यज्ञानुष्ठान से रोगनिवृत्ति कैसे सम्भव है? विवेचना कीजिए।

8. दान के माध्यम से रोगोपचार पर विस्तृत प्रकाश डालिए।